(29-01-1922 से 14-07-2003)

मन समर्पित तन समर्पित और यह जीवन समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ ॥

-प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या)

परिचय

प्रो. राजेन्द्र सिंह का जन्म 29 जनवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के बुलंद शहर जिले के बनैल ग्राम में हुआ था। आपकी माताजी का नाम श्रीमती ज्वाला देवी तथा पिताजी का नाम श्री कुंवर बलवीर सिंह था। कुँवर बलवीर सिंह जी स्वतंत्र भारत में उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्य अभियंता थे। प्रो. राजेन्द्र सिंह पर पिताजी के अभियांत्रिकी कौशल, तकनीकि दक्षता एवं वैज्ञानिक सोच माताजी की सादगी, मितव्ययिता और जीवन मूल्यों के प्रति सजगता का विशेष प्रभाव पड़ा।

प्रो. राजेन्द्र सिंह की प्रारम्भिक शिक्षा-दीक्षा बुलंदशहर, नैनीताल, उन्नाव तथा दिल्ली में हुई। उन्होंने बी.एससी. तथा एम.एस.सी. की परीक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की। उनकी एम.एस.सी. (भौतिकशास्त्र) की मौखिक परीक्षा हेतु नोबल पुरस्कार प्राप्त महान् वैज्ञानिक सर सी. वी. रमण प्रयागराज आये थे। प्रो. राजेन्द्र सिंह सन् 1942 में एम. एस. सी. की परीक्षा उत्तीर्ण करते ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकशास्त्र विभाग में व्याख्याता पद पर नियुक्त हो गये। साथ ही प्रयागराज के नगर कार्यवाह का दायित्त्व भी निभाने लगे। 1948 में जेलयात्रा, 1949 में दो तीन विभागों को मिलाकर संभाग कार्यवाह, 1952 में प्रान्त कार्यवाह और 1954 से पूरे प्रान्त का दायित्त्व सम्भालने लगे। 11 मार्च 1994 को बाबा साहेब देवरस ने रज्जू भय्या को सर संघ चालक का शीर्षस्थ दायित्त्व दिया। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) की जीवन-यात्रा आम आदमी को ईमानदारी, प्रमाणिकता, ध्येयनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। अत्यन्त संपन्न परिवार से संबन्ध रखते हुए भी उन्होंन अपना सर्वस्व राष्ट्र पर न्योछावर कर दिया। महान् भौतिकशास्त्री प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) का संपूर्ण जीवन त्याग एवं समर्पण का अपूर्व उदाहरण है।